हर घर जल
जल जीवन मिशन

जल जीवन मिशन मध्य प्रदेश

हर घर नल जल की कहानी ग्रामीण परिवारों की ज़ुबानी

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, मध्य प्रदेश जल निगम
मध्य प्रदेश शासन

संदेश

भारत के माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा 15 अगस्त 2019 को लाल किले से देश को सम्बोधित करते हुये जल जीवन मिशन की घोषणा की थी। जिसके तहत वर्ष 2024 के अंत तक भारत के सभी गांव के सभी परिवारों तक नल के द्वारा शुद्ध पेयजल पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। जिसमें हर गांव के हर घर तक नल से शुद्ध एवं सुरक्षित जल सतत् रुप से पहुंच सके, जिससे कि हमारे गांव की माताओं,बहनों,बहु और बेटियों को पानी लाने के लिये घर से बाहर न जाना पड़े और पानी लाने में लगने वाले समय को वह अपने पसंदीदा काम में खर्च कर सकें। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिये हमारी सरकार प्रतिबद्ध है, जिसके लिए मिशन मोड पर मध्यप्रदेश के हर गांव के हर घर तक नल से जल पहुंचाने का कार्य तेजी से किया जा रहा है।

मैं उन सभी ग्राम पंचायतों,सरपंचों,ग्राम जल स्वच्छता समितियों,महिला स्वंय सहायता समूहों एवं पंचायत प्रतिनिधियों को बधाई देना चाहता हूं, जिन्होने अपने ग्रामों और पंचायतों के हर घर तक नल से जल पहुंचाने का कार्य किया है। ये हमारे प्रदेश के लिए गौरव की बात है कि दिनांक 4 मार्च 2023 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयोजित कार्यकम में मान.राष्ट्रपति महोदया श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी द्वारा जल जीवन मिशन अंतर्गत छिंदवाड़ा ज़िले की श्रीमती अनिता चौधरी जी को ग्राम जलसखी एवं स्वच्छता समिति (VWSC) की सदस्य को समूह जल प्रदाय योजना अंतर्गत ग्राम में योजना के कुशल संचालन एवं संधारण हेतु स्वच्छ जल शक्ति सम्मान से पुरस्कृत किया गया है। मैं उन्हें इस उपलब्धि पर पुनः बधाई देता हूँ।

डॉ. मोहन यादव
माननीय मुख्यमंत्री
मध्य प्रदेश सरकार

संदेश

भारत के माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा 15 अगस्त 2019 को लाल किले से सम्बोधित करते हुये जल जीवन मिशन की घोषणा की थी। जिसके तहत वर्ष 2024 के अंत तक भारत के सभी गांव के सभी परिवारों तक नल के द्वारा शुद्ध पेयजल पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। जिसमें हर गांव के हर घर तक नल से शुद्ध एवं सुरक्षित जल सतत् रूप से पहुंच सके, जिससे कि हमारे गांव की माताओं,बहनों,बहू और बेटियों को पानी लाने के लिये घर से बाहर न जाना पड़े और पानी लाने में लगने वाले समय को वह अपने पसंदीदा काम में खर्च कर सकें। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिये हमारी सरकार प्रतिबद्ध है, जिसके लिए मिशन मोड पर मध्यप्रदेश के हर गांव के हर घर तक नल से जल पहुंचाने का कार्य तेजी से किया जा रहा है। आज प्रदेश के सभी ग्रामों में योजना का सफल संचालन एवं संधारण महिला समूहों के माध्यम से बखूबी किया जा रहा है। आज मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता हो रही है कि हम इस दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहें हैं। मैं लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग एवं जल निगम को बधाई देना चाहती हूं।

श्रीमती संपतिया उइके
माननीय मंत्री
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग
मध्य प्रदेश

संदेश

प्रदेश में जल जीवन मिशन के माध्यम से प्रत्येक ग्रामीण परिवार को नल से पेयजल उपलब्ध कराने का कार्य प्रगतिरत है। इस कार्य को समय-सीमा में पूर्ण करने हेतु जल जीवन मिशन के कार्यों को राज्य शासन द्वारा सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए विशेष प्रगति की गई हैं। 30 जून 2024 की स्थिति में प्रदेश के कुल 1 करोड़ 11 लाख से ज्यादा ग्रामीण परिवारों में से कुल 71.05 लाख (63.54%) ग्रामीण परिवारों को क्रियाशील घरेलू नल कनेक्शन के माध्यम से पेयजल उपलब्ध होने लगा है। जल जीवन मिशन के अंतर्गत अभी तक 147 समूह ग्राम जलप्रदाय योजनायें एवं 26,261 एकल ग्राम नल-जल योजनायें स्वीकृत की जा चुकी हैं। इस प्रकार पूरे प्रदेश के सभी 51,417 ग्रामों के लिए नल-जल योजनाओं के नियोजन का कार्य पूरा किया जा चुका है। प्रदेश के सभी जिलों में योजना का क्रियान्वयन मिशन मोड पर किया जा रहा है, जिसकी सतत् अनुश्रवण कर कार्यों में गति लाने के बेहतर प्रयास किये जा रहे हैं, जिससे मिशन के लक्ष्यों की प्राप्ति समायावधि में हो सकें। मैं लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग एवं जल निगम को बधाई देना चाहता हूं, जिन्होनें एकल ग्राम / समूह ग्राम नल जल की पूर्ण योजनाओं के संचालन एवं संधारण से जुड़े विभिन्न हितधारको /जल एवं स्वच्छता समितियों / स्वंय सहायता समूहों के उत्कृष्ट कार्यों एवं योजना से लभान्वित हुए हितग्राहियों के जीवन में आये बदलवों के लेकर सफलता की काहानियों को तैयार कर संकलित कर जल जीवन मिशन की उत्कृष्ट सफलता की कहानियों पर एक पत्रिका तैयार की गई है।

श्री पी. नरहरि (आईएएस)
सचिव
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग
मध्य प्रदेश

जल जीवन मिशन का मध्यप्रदेश में परिदृश्य

15 अगस्त 2019 की स्थिति में

13.51 लाख (12.10%)

30.06.2024 की स्थिति में

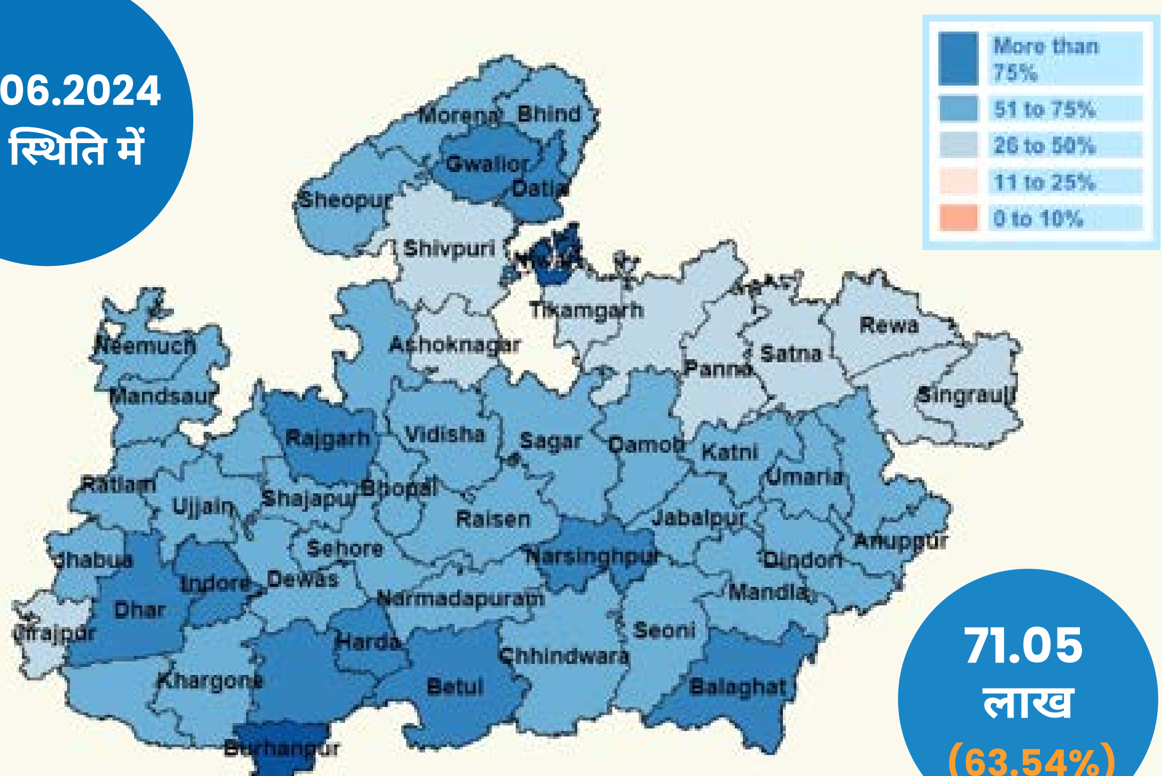

71.05 लाख (63.54%)

मिशन की सहायक गतिविधियों की प्रगति

सहायक गतिविधियाँ

कुल 281
सहयोग क्रियान्वयन एजेंसी (ISA) सूचीबद्ध

कुल 40222 ग्राम कार्ययोजना (VAP) पूर्ण

कुल 39401
ग्राम जल एवं स्वच्छता समितियाँ (VWSC) गठित

कुल 2.54 लाख
महिलाएँ प्रशिक्षित फील्ड टेस्ट किट के माध्यम से जल की गुणवत्ता की जाँच हेतु

लेवल- 3 के अंतर्गत कुल 22 संस्थाएं सूचीबद्ध

लेवल-3 प्रशिक्षण के तहत कुल 17197 ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति सदस्यों/स्वं सहायता समूहों की महिलाओं/पंप ऑपरेटरों/अन्य हितधारकों को केआरसी द्वारा प्रशिक्षित किया गया है।

मिशन अंतर्गत प्रमुख उपलब्धियां

1ST — पाइप जलापूर्ति योजना के समस्त स्रोतों की जियोटैगिंग के लिए पुरे देश में

1ST — राज्य की समस्त प्रयोगशालाओं की एनएबीएल से शत प्रतिशत मान्यता (100%) के लिए पुरे देश में

1ST — पुरे देश में बुरहानपुर को पहला प्रमाणित “हर घर जल” जिला घोषित कराने में

1 — भारत सरकार द्वारा प्रदेश के बुरहानपुर जिले को देश का पहला प्रमाणित “हर घर जल” जिला घोषित किया गया

2 — भारत सरकार द्वारा प्रदेश के निवाड़ी जिले को देश का दूसरा “हर घर जल” जिला घोषित किया गया

3 — भारत सरकार द्वारा आयोजित "स्वच्छ जल से सुरक्षा" अभियान के तहत पूरे राज्यों की श्रेणी में तृतीय स्थान पर रहा

एकल ग्राम जल प्रदाय योजना

सफलता की कहानियाँ

हर घर जल
जल जीवन मिशन

“जल जीवन मिशन योजना से मिली पहचान”

नाम :- श्रीमती सीता बाई

ग्राम :- झलारिया

जिला :- इंदौर

देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर ज़िले के देपालपुर विकास खण्ड के अंतर्गत आने वाले झलारिया गांव जल जीवन मिशन के तहत ग्राम स्तर पर की गई पहल के तहत चर्चाओं में है। गांव की 45 वर्षीय सीता कहती हैं कि,"जल जीवन मिशन" के तहत सार्थक योगदान करने के लिए मैंने अपनी इच्छा ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति के सामने रखी। समिति ने सर्वसम्मति से मुझे पंप ऑपरेटर की जिम्मेदारी का वहन करने का दायित्व सौंपा। अब तक मेरे प्रयासों से गांव के प्रत्येक परिवारों से मासिक जलकर की राशि के कुल 1.79 लाख रु. समिति के बैंक के खाते में जमा करवाए गए हैं। आज मिशन के प्रति एवं समिति के प्रति अपने गांव के लोगों का विश्वास बढ़ाया है तथा उनकी सहभागिता भी बढ़ी है। श्रीमती सीता बाई केन्द्र सरकार, एलराज्य सरकार एवं लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को जल जीवन मिशन योजना प्रारंभ करने के लिए तथा ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति झलारिया को उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए बहुत बहुत धन्यवाद देती हैं।

हर घर जल
जल जीवन मिशन

"ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति को मिला सम्मान"

ग्राम :- करहिया
जिला :- रीवा

यह सफलता की कहानी रीवा ज़िले के विकास खण्ड के ग्राम करहिया की है। करहिया रीवा शहर से नजदीक एवं घनी बस्ती वाला ग्राम है, शहर के निकट होने के बावजूद ग्राम में पानी की बहुत समस्या थी। महिलाओं का अधिकांश समय पानी की व्यवस्था करने में ही निकल जाता था। जिससे वे मजदूरी पर समय पर नहीं जा पाती थीं। जल जीवन मिशन योजना ने करहिया ग्राम की महिलाओं को नई जिंदगी प्रदान की है। करहिया ग्राम की महिलाओं ने ये कभी नहीं सोचा था कि वो सुबह पानी भरने के संघर्ष को छोड़कर सिर्फ एक नल चालू कर पानी भर सकेंगी और अपनी मजदूरी या काम पर समय से पहुंचकर अपने परिवार की आर्थिक स्थिति सुधारने में मदद कर सकेंगी। इस ग्राम में एक छोटा सा परिवर्तन और भी हुआ है,वे ग्राम की सरपंच महिला हैं और ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति की अध्यक्ष भी है। दिनांक 24 अप्रैल 2023 को रीवा में पंचायतीराज दिवस कार्यक्रम में समिति की अध्यक्ष एवं एक अन्य सदस्य को विभागीय प्रदर्शनी के स्टॉल का नेतृत्व करने का अवसर प्राप्त हुआ साथ ही प्राधानमंत्री जी से संवाद करने का सौभाग्य भी मिला।

हर घर जल
जल जीवन मिशन

"हर घर जल से प्रदेश की बहन- बेटियों का जीवन हुआ आसान"

नाम :- रामबाई
ग्राम :- सामरसींगा
जिला :- गुना

ग्राम सामरसींगा में रहने वाली आदिवासी महिला श्रीमती रामबाई कहती है कि, ग्राम सामरसींगा कई वर्षों से पेयजल समस्या का सामना करता आ रहा है। ग्राम के परिवारों ने पेयजल के लिए बहुत संघर्ष भी किया है। सभी ग्रामीण पेयजल के लिये कुओं व हैण्डपम्पों पर निर्भर थे और घण्टों कतार में लगे रहते थे। ऐसे में अक्सर पानी भरने के दौरान लड़ाई झगड़े होते ही रहते थे,वर्तमान में ग्राम की नलजल योजना से सभी ग्रामवासी लाभान्वित होकर खुश हैं। जल जीवन मिशन के हस्तक्षेप ने हमारे जीवन की गुणवत्ता में सुधार किया है। ग्राम के सारे घरों में अच्छी गुणवत्ता वाला पानी आ रहा है। गांव में अब सभी खुश हैं और बच्चों का भविष्य उज्ज्वल दिख रहा है। जीवन को खुशहाल और लाभदायक बनाने के लिए सरकार और लोक स्वास्थ्य एवं यांत्रिकी विभाग को बहुत बहुत धन्यवाद ।"

“जल जीवन मिशन आंगनवाड़ी सेंटर में लाया नया सवेरा”

नाम :- श्रीमती अमृत कुंवर
ग्राम :- भाटखेड़ा
जिला :- नीमच

ग्राम भाटखेड़ा निवासी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती अमृत कुवंर बताती हैं कि,पहले हमारे गांव में पानी की बहुत समस्या थी जिससे सारा गाँव परेशान था,महिलाओं को पानी लेने दूसरे ग्राम तक जाना पड़ता था,जिसके कारण ग्राम वासियों का जीवन बहुत कष्टदाई हो गया था। जल जीवन मिशन हमारे गांव के लिए वरदान से कम नहीं है। हमारे गांव की आंगनवाड़ी सेंटर में नल कनेक्शन लगने से हमारे आंगनवाड़ी सेंटर को नया जीवन मिल गया है,अब हमारे घर एवं आंगनवाड़ी दोनों में नल से नियमित रूप से पर्याप्त मात्रा में उचित गुणवत्ता वाला पेयजल आने लगा है। अब गांव के सभी बच्चे नियमित रूप से आंगनवाड़ी केंद्र में आते है। ग्राम की महिलाओं से भी अब मेरा संपर्क बढ़ गया है और वह भी अपने स्वास्थ्य को लेकर सजग हो रही हैं। जल जीवन मिशन ने हमारे ग्रामीण क्षेत्र के आंगनवाड़ी सेंटर को नया जीवन दिया है, जिसके लिए मैं माननीय प्रधानमंत्री जी एवं मुख्यमंत्री जी का बहुत बहुत धन्यवाद करती हूँ ।"

हर घर जल
जल जीवन मिशन

"अमृतरूपी जल से बदली ग्राम की तस्वीर"

नाम :- श्रीमती सावित्री पंचाले
ग्राम :- दुल्हापुर
जिला :- बालाघाट

ये कहानी है श्रीमती सावित्री पंचाले की जो कि जिला बालाघाट के लांजी ब्लाक के अंतर्गत आने वाले ग्राम दुल्हापुर में अपने परिवार के साथ रहती हैं। श्रीमती सावित्री कहती हैं कि, पिछले एक साल में ही सब कुछ बदल गया मानो कोई चमत्कार हो गया, जल जीवन मिशन ने पूरे गाँव की छवी बदल कर रख दी। योजना से गांव में पानी के नए जल स्रोत बनाए गए और घर घर पानी का कनेक्शन मिल गया। गाँव में जल जीवन मिशन आने से पूर्व कुछ सालों पहले तक मैं बहुत परेशान रहती थी। हम सब गांव की महिलाओं ने मिलकर एक समूह बनाया, उसके बाद हम सबने मिलकर ग्राम में योजना का प्रचार प्रसार कर लोगों को जागरूक किया। हम सभी ग्रामीणों ने माननीय प्रधानमंत्री जी एवं मुख्यमंत्री जी को धन्यवाद पत्र भी लिखा, जिसमें कहा गया कि जल जीवन मिशन एक उपहार के रूप में आया है। जिससे हम महिलाओं के जीवन में नया सवेरा आया है।

“जल जीवन मिशन के माध्यम से महिला ने बदली ग्राम की तस्वीर”

नाम :- श्रीमती मीना लोधी
पंचायत :- शोभापुर
जिला :- भोपाल

भोपाल ज़िले के फंदा विकास खण्ड की अमरावत कला पंचायत के शोभापुर जाहेज गांव जो कि जिला मुख्यालय भोपाल शहर से 26 किमी दूर स्थित है। यहाँ रहने वाली श्रीमती मीना लोधी गांव में जल जीवन मिशन की पहचान के रूप में जानी जाती हैं। श्रीमती लोधी ग्राम में योजना के संचालन एवं संधारण में अपनी सक्रिय भूमिका का निर्वहन बेहतर ढंग से कर रही है। इनके द्वारा प्रतिदिन पंप संचालन करने से लेकर ग्राम के समस्त परिवारों से प्रतिमाह जलकर की राशि एकत्रित करने काम किया जाता। मीना ग्राम की अन्य महिलाओं के बीच सशक्तिकरण एवं नेतृत्व क्षमता का उदाहरण भी पेश कर रही हैं। जल जीवन मिशन के आने से ग्रामीण सामाजिक जीवन में विशेषकर महिलाओं की स्थिति में भी सुधार हुआ है।

हर घर जल
जल जीवन मिशन

“जल जीवन मिशन से आया परिवारों की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति में सुधार”

नाम :- कपिल बाल्मीकि
ग्राम :- दुर्गापुर
जिला :- टीकमगढ़

टीकमगढ़ ज़िले के ग्राम दुर्गापुर निवासी कपिल बाल्मीकि बताते हैं कि पहले नल जल योजना नहीं थी तब पानी का बहुत अधिक संकट था, गाँव की महिलाएं मीलों दूरी से पानी लाती थीं,जिससे उनका बहुत अधिक समय पानी लेने में लगता था जिससे अन्य कोई आर्थिक गतिविधि नहीं कर पाती थीं। पहले जल संकट के कारण गांव में लड़कों की शादी भी नहीं हो रही थी क्योंकि कोई भी अपनी लड़की की इस गाँव में शादी करने को तैयार नहीं था लेकिन जब से नल जल योजना से हर घर जल पंहुचा है तब से महिलाओं के समय मे बचत हुई है। अब महिलाएं आर्थिक गतिविधियों में भी समय दें पा रही हैं। जिससे उनकी आमदनी बढ़ी है एवं गाँव खुशहाल हुआ है।

हर घर जल
जल जीवन मिशन

"शुद्ध पेयजल लाया ग्राम में आर्थिक उन्नति"

नाम :- श्री मातादीन जाटव
ग्राम :- अकबरपुरा
जिला :- मुरैना

मुरैना ज़िले के ग्राम अकबरपुरा के श्री मातादीन जाटव कहते हैं कि पहले ग्राम में पीने का पानी बहुत ही कठिनाईयों से काफी दूर से हैंडपंप से भरकर लाना पड़ता था। गर्मी के दिनों में हैंडपंप का पानी लगभग सूख जाता था और इसी प्रकार मानसून के समय बारिश के पानी से जल स्त्रोत भी दूषित हो जाता था। पूरे गांव की महिलाएं और पुरुष पानी के इंतजाम में ही लगे रहते थे जिससे वे अपने रोजगार और दिहाड़ी पर नहीं जा पाते थे। नल जल योजना आरंभ होने से पेयजल की समस्या दूर हो गई है जिससे ग्राम के लोग अधिकांश समय अपने व्यवसाय और अन्य आर्थिक गतिविधियों में दे पा रहे हैं। समस्त ग्रामवासी आज अपने ग्राम को समूह ग्राम जल प्रदाय योजना से लाभान्वित होनें से केंद्र सरकार और राज्य सरकार को धन्यवाद देते हैं।

हर घर जल
जल जीवन मिशन

"जल जीवन ने बदली विद्यालय की तस्वीर"

ग्राम :- दुबली
जिला :- उज्जैन

उज्जैन ज़िले के ग्राम दुबली में जल जीवन मिशन योजना आने के पूर्व ग्राम के स्कूल में पीन के पानी की बहुत समस्या थी। विद्यालय पूर्ण रूप से ग्राम के बोरवेल पर निर्भर था। ग्राम के छोटे बच्चे भी विद्यालय में नियमित रूप से नहीं आ पाते थे जिसका मुख्य कारण परिवारों की महिलाओं का अधिकांश समय पानी भरने के कारण वे उनको नियमित रूप से विद्यालय में नहीं भेज पाती थी। विद्यालय में भी पर्याप्त पेयजल उपलब्ध न होने के कारण भी बच्चे आने में रुचि नहीं लेते थे। जल जीवन मिशन ने गांव के साथ विद्यालयों को भी नया जीवन दे दिया है, जिसके लिए समस्त ग्रामवासी केन्द्र सरकार, राज्य सरकार सबको हृदय से धन्यवाद देते हैं।

हर घर जल
जल जीवन मिशन

"जल जीवन मिशन ने ग्रामीण शाला को दिया नया आयाम"

पंचायत :- बरछेका
जिला :- कटनी

यह कहानी है कटनी ज़िले के बड़वारा विकास खण्ड के ग्राम पंचायत बरछेका की, ग्राम में जल जीवन मिशन के पूर्व जल की उचित व्यवस्था नहीं थी ग्राम के लोग कुओं से मिलने वाले जल पर ही आश्रित रहते थे। गांव का एक मात्र स्कूल जिसमें जल के अभाव में बच्चे भी नियमित रूप से नहीं आते थे। क्योंकि स्कूल में शुद्ध पेयजय एवं शौच के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध नहीं रहता था जिसके कारण बच्चे शाला में अधिकांश तौर पर अनुपस्थित रहते थे। बच्चों का स्कूल में अनुपस्थित रहने के कारण बच्चों के पढ़ाई में विपरीत असर हो रहा था। जल जीवन मिशन आने के बाद ग्राम के घरों, स्कूल, आंगनवाड़ियों एवं पंचायत भवन में नल कनेक्शन लगने के बाद शुद्ध गुणवत्ता वाले पेयजल की नियमित रूप से आपूर्ति होने लगी जिससे बहुत से नए आयाम जुड़ने लगे शाला में बच्चों की उपस्थिति शत प्रतिशत तक पहुंचने लगी है।

"मिशन के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं की गरिमा एवं प्रतिष्ठता को मिला बढ़ावा"

नाम :- हंसा पटेल

ग्राम :- सुकल्या क्षिप्रा

जिला :- देवास

ग्राम सुकल्या क्षिप्रा देवास जिले के देवास ब्लॉक के अंतर्गत आता है। ग्राम में 1378 परिवारों में कुल 5128 जनसख्या निवासरत है। ग्राम में क्षेत्रफल एवं जनसंख्या का घनत्व अधिक होने से ग्राम में पानी की समस्या कई वर्षों से बनी हुई थी। महिलाओं को सिर पर घड़ा भर कर तपती धूप में पानी लाने के लिये विवश होना पड़ता था।

ग्राम की श्रीमती हंसा पटेल जो कि ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति की सदस्य एवं संजना स्व सहायता समूह की अध्यक्ष भी है। श्रीमती हंसा ने बताया कि, "ग्राम में जल जीवन मिशन आने का सबसे ज्यादा फायदा हमारे गाँव की महिलाओं को मिल रहा है। योजना के पहले पेयजल के लिये बहुत कठनाईयों का सामना करना पड़ता था। जब से जल जीवन मिशन आया है हम महिलाओं को आशा की नई किरण मिली है। जल जीवन मिशन के अंतर्गत ग्राम स्तर पर योजना के संचालन एवं क्रियान्वयन की जिम्मेदारी हम महिलाओं के समूह की है, जिससे समुदाय में हमारी प्रतिष्ठा में वृद्धि हुई है। आज इस मिशन से ग्रामीण समुदाय की महिलाओं को संगठित होने का अवसर एव मिशन के क्रियान्वयन में अपनी सहभागिता प्रदान करने का अवसर मिल रहा है।

हर घर जल
जल जीवन मिशन

“जल जीवन मिशन से मिला आजीविका का साधन”

नाम :- गनी भाई

ग्राम :- नागलवाड़ी

जिला :- छिंदवाड़ा

यह कहानी छिंदवाडा जिले के विकासखण्ड परासिया के एक छोटे से गाँव नागल वाडी ग्राम निवासी गनी भाई की है। जल जीवन मिशन आने के उपरांत गनी भाई की जिन्दगी ही बदल गयी। गनी भाई कहते हैं कि मैं अपने परिवार की आजीविका के लिए पहले शहर में मजदूरी करने जाता था, गाँव में कोई छोटे मोटे कामों से कोई खास कमाई नहीं होती थी। मुझे मोटर पंप चलाने एवं उसके रख- रखाव का कार्य थोड़ा बहुत आता था। जल जीवन मिशन मेरे परिवार के लिए वरदान साबित हुआ। हर घर जल से मुझे रोजगार मिला। अब मुझे हर महीने 4000 रूपये की आमदनी हो जाती है। अब मै गाँव में ही रह कर अपने परिवार के साथ जीवन यापन कर रहा हूँ वास्तव में इस मिशन ने मेरी जिन्दगी बदल दी है यह मिशन हमारी जिन्दगी में खुशियाँ भरकर लाया है इसके लिए मै प्रधानमंत्री जी एवं मुख्यमंत्री जी को कोटि कोटि धन्यवाद देता हूँ।

हर घर जल
जल जीवन मिशन

"जल जीवन मिशन हर घर में होगी अब शुद्ध जल की बौछार"

नाम :- श्रीमती राधाबाई

ग्राम :- खंडवा

जिला :- झलारिया

खण्डवा ज़िले की ग्राम पंझरिया में रहने वाली श्रीमती राधाबाई जल जीवन मिशन में ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति के सदस्य के रूप में योजना के संचालन में पंप आपरेटर का कार्य करती हैं। राधा का कहना है कि जल जीवन मिशन से जुड़ कर खुद को भाग्यशाली मानती हूँ। राधा बताती हैं कि, "गांव में पूर्व में मुख्यमंत्री जल आपूर्ति योजना थी, जिससे ग्राम के लगभग 90 परिवार लाभान्वित हो रहे थे। पानी हर महिला के जीवन में एक अंतर्निहित घटक है। ग्राम में जल जीवन मिशन के प्रारंभ के समय राधा ने समुदाय के विकास के लिए स्वेच्छा से काम किया, सहभागी ग्राम कार्य योजना के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाई।" योजना के बेहतर संचालन एवं संधारण हेतु विकसित बजट के आधार पर जल शुल्क / रु. 105 प्रति परिवार प्रति माह लिया जाता है। वर्तमान में ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति ने जल शुल्क संग्रह से राशि रु. 4.28 लाख कुल 377 परिवारों से एकत्रित किए गए हैं। आज ग्राम में नल जल योजना सुचारु रूप से क्रियान्वित की जा रही है गांव में प्रसन्नता का माहौल है। हम सब ग्रामवासियों की तरफ से माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी व माननीय मुख्यमंत्री जी का बहुत बहुत धन्यावाद करते हैं।"

हर घर जल
जल जीवन मिशन

“स्वंय सहायता समूह ने ग्राम में जल जीवन मिशन के संचालन को दी नई दिशा”

नाम :- श्रीमती अनिता शिवप्रसाद जामडेकर
ग्राम :- झिरमिटी
जिला :- बुरहानपुर

बुरहानपुर जिले के खकनार ब्लॉक की ग्राम पंचायत झिरमिटी जिला मुख्यालय से 45 किमी दूरी पर स्थित है। ग्राम झिरमिटी में रहने वाली महिला श्रीमती अनिता शिवप्रसाद जामडेकर जल जीवन मिशन से लाभान्वित होकर आज वर्तमान में ग्राम में माँ नर्मदा स्व सहायता समूह की सदस्य भी है। अनिता बताती हैं कि, "जल जीवन मिशन योजना उनके ग्राम में आने से उनके स्व सहायता समूह को आजीविका मिली है। ग्राम सभा के माध्यम से ग्राम में योजना के संचालन एवं संधारण हेतु ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति का गठन कर समिति द्वारा स्व सहायता समूह से अनुबंध कर ग्राम के प्रत्येक परिवारों से जल शुल्क की राशि का संग्रहण करने कार्य सौंपकर एक आर्दश उदाहरण ग्राम के विकास हेतु प्रस्तुत किया।"
श्रीमती अनिता आगे बताती है कि, "आज हमारे समूह द्वारा ग्राम में सुचारू रूप जल शुल्क की राशि की वसूली का कार्य बहुत ही बेहतर ढंग से संपादित किया जा रहा है। जल जीवन मिशन के माध्यम से हर घर जल प्रदाय के लिए मैं और मेरे समूह की महिलायें माननीय प्रधानमंत्री जी एवं माननीय मुख्यमंत्री जी का हार्दिक धन्यवाद करती हैं।

समूह ग्राम जल प्रदाय योजना

सफलता की कहानियाँ

हर घर जल
जल जीवन मिशन

"महिला जल योद्धा को मिला राष्ट्रपति सम्मान"

नाम :- श्रीमती अनीता चौधरी
ग्राम :- गढ़मऊ
जिला :- छिंदवाड़ा

जल जीवन मिशन की मोहखेड़ समूह ग्राम योजना के अंतर्गत ग्रामों के समस्त घरों में नल के माध्यम से शुद्ध जल नियमित रूप से प्रदाय किया जा रहा है। ग्राम में योजना के क्रियान्वयन की दिशा में सराहनीय एवं सक्रिय भूमिका का निर्वहन गांव की जल एवं स्वच्छता समिति की सदस्य श्रीमती अनीता चौधरी द्वारा बहुत ही अच्छे ढंग से किया जा रहा है। जब ग्राम के लिए हर घर जल योजना के तहत गाँव में पानी की आपूर्ति की योजना बनाई गई तब अनीता स्वयं सहायता समूह (SHG) की सदस्य थीं और जलसखी का काम कर रही थी। ग्राम पंचायत के द्वारा अनीता को ग्राम जल और स्वच्छता समिति (VWSC) के सदस्य के रूप में चुना। अनिता ने सर्वप्रथम सामुदायिक योगदान के लिए अपने ग्राम के लोगों को प्रेरित कर गाँव की जलापूर्ति योजना के लिए ग्राम के समस्त परिवारों से सामुदायिक अंशदान की राशि रु. 2,88,135 एकत्र किए। आज श्रीमती अनिता चौधरी को गांव में सब जल योद्धा के नाम से जानते हैं। गांव में योजना के सफल क्रियान्वयन एवं संधारण हेतु अनिता को दिनांक 4 मार्च 2023 को विज्ञान भवन नई दिल्ली, में आयोजित कार्यक्रम में देश की मान. राष्ट्रपति महोदया श्रीमती द्रौपदी मुर्मु जी द्वारा छिंदवाड़ा ज़िले की श्रीमती अनिता चौधरी को समूह जल प्रदाय योजना अंतर्गत ग्राम में योजना के कुशल संचालन एवं संधारण हेतु स्वच्छ सुजल शक्ति सम्मान से पुरस्कृत किया गया है। उन्होंने अपना तथा ग्राम एवं प्रदेश का नाम देशभर में रोशन किया है।

हर घर जल
जल जीवन मिशन

“ हर घर जल से बच्चों के जीवन में आई नई बहार, अब बेहतर शिक्षा के भी खुल रहे हैं नए द्वार”

नाम :- मोनिका गौतम
ग्राम :- टीला
जिला :- निवाड़ी

जल जीवन मिशन से मिल रहा है शिक्षा को बढ़ावा,निवाड़ी ज़िले के टीला ग्राम पंचायत के टीला गांव की छात्रा मोनिका गौतम कहती हैं कि नल-जल योजना से पहले पानी की ज्यादा समस्या होती थी, हमारे घर से एक किलोमीटर दूर लगे हैण्डपम्प से हमें पानी भरने जाना पड़ता था। कई बार मैं समय पर स्कूल नहीं पहुंच पाती थी जिसके कारण मेरी पढ़ाई का बहुत नुकसान होता था। लेकिन जब से हमारे गांव में नल से जल आया है, तब से हमें अब अपने घर पर ही पानी मिल रहा है। जिससे मैं अब समय पर स्कूल भी जा पा रही हूं, अब मैं पढ़ाई के साथ साथ घर के कामों में मम्मी की मदद भी करती हूं। हमारे गांव को जल जीवन मिशन योजना से जोड़ने के लिए मैं प्रधानमंत्री जी व मुख्यमंत्री जी को बहुत बहुत धन्यवाद देना चाहती हूँ।

“नल-जल योजना जबसे आई ढेरों खुशियां संग में लाई”

नाम :- त्रिवेणी जाटव
ग्राम :- घडोर
जिला :- मुरैना

मुरैना ज़िले के अतंर्गत ग्राम घडोर की रहने वाली श्रीमती त्रिवेणी जाटव कहती हैं कि पहले जब हमारे गांव में नल-जल योजना नहीं थी तब गाँव में पानी की व्यवस्था को लेकर बहुत समस्याएं थी। गांव के लोग दूर चलकर बड़ी मुश्किल से पानी लाते थे। जिससे काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। गर्मी के मौसम में पेयजल की स्थिति बहुत ही गंभीर हो जाती थी। गांव में जल स्त्रोत भी सीमित थे जिस वजह से गर्मी के मौसम में जलस्तर नीचे चले जाने से जल संकट उत्पन्न हो जाता था। जब से मध्य प्रदेश जल निगम द्वारा नरेहला ग्रामीण समूह जल प्रदाय योजना हमारे गाँव में आई है तब से घर पर ही नल के माध्यम से शुद्ध पेयजल मिलने लगा है। शुद्ध पानी का उपयोग करने से परिवारजनों के स्वास्थ्य में भी सुधार हुआ है। अब बच्चे, बुजुर्ग और महिला सदस्य बार-बार जल जनित रोगों से बीमार नहीं पड़ते हैं। मैं मध्यप्रदेश जल निगम को धन्यवाद देती हूँ।

हर घर जल
जल जीवन मिशन

"खुशियों की दास्ता"
घर पर लगी टोंटी से मिल रहा पर्याप्त शुद्ध जल

नाम :- श्रीमती ललिता बैरागी

ग्राम:- पड़दा

जिला :- नीमच

नीमच ज़िले के ग्राम पड़दा निवासी श्रीमती ललिता बैरागी ने अपने घर के दरवाजे पर नल से जल पाने की ख़ुशी इज़हार की है, उनका कहना है कि पानी की समस्या का समाधान एवं घर-घर नल कनेक्शन होने से ग्रामीणों के चेहरे खिल उठे हैं। पूर्व में पीने के पानी के लिये हैण्डपम्प पर आश्रित रहना पड़ता था। लम्बी लाईन लगानी पड़ती थी कई बार पानी भरने के लिये एक-दूसरे से कहा-सुनी भी हो जाती थी। ग्राम पड़दा कभी बूंद-बूंद पानी को तरसता था मगर जल जीवन मिशन के अन्तर्गत गंगा वावड़ी समूह जल प्रदाय योजना ने ग्रामीणों की प्यास बुझाई। अब पेयजल घर पर ही नियमत रूप से प्राप्त हो रहा है। फिल्ड टेस्टिंग किट के माध्यम से लगातार अंतराल पर पानी की गुणवत्ता की जांच की जाती है। हम सभी शुद्ध नियमित पेयजल पाकर बहुत खुश हैं। हम पड़दा ग्रामवासी मध्यप्रदेश जल निगम का आभार व्यक्त करते हैं।

हर घर जल
जल जीवन मिशन

"जल जीवन मिशन योजना, से मिला आत्मसम्मान"

नाम :- श्रीमती पुष्पा वंशकार
ग्राम एवं ग्राम पंचायत :- बसई
जनपद एवं जिला :- दतिया

दतिया ज़िले के ग्राम बसई निवासी श्रीमती पुष्पा वंशकार का कहना है कि पहले जब हमारे गांव में नल जल योजना नहीं थी तब पानी की व्यवस्था को लेकर बहुत कठिनाई होती थी, काफी दूर से रात भर जागरण कर हैण्डपम्प से साइकिल पर लादकर पानी लाना पड़ता था जिससे हमें बहुत कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था लेकिन जबसे बसई ग्रामीण समूह जल प्रदाय योजना हमारे गॉव में आई है तब से घर पर ही नल के माध्यम से हमें शुद्ध जल मिलने लगा है। शुद्ध पानी का उपयोग करने से परिवारजनों के स्वास्थ्य में भी सुधार हुआ है। अब हमारे परिवार के साथ गांव वालों का भी पानी भरने में लगने वाला समय बचने लगा है। इस योजना के सफल क्रियान्वयन के लिए में मध्यप्रदेश जल निगम का आभार करती हूँ।

हर घर जल
जल जीवन मिशन

"हर घर पहुंच है जल, महिलाओं का रोशन हुआ कल"

नाम :- निशा सोलंकी
ग्राम :- कोसमी
जिला :- सीहोर

सीहोर ज़िले के ग्राम कोसमी की रहने वाली निशा सोलंकी कहती हैं कि हमारे गांव में पहले जल को लेकर बहुत समस्या होती थी पीने के पानी के लिए कुएं तक जाना पड़ता था और गर्मी के मौसम में जब कुएं का पानी सूख जाता था तो हमें दूर पैदल चलकर नदी से पानी लेकर आना पड़ता था जिससे हमारा काफी समय बर्बाद होता था लेकिन हर घर जल के आने से अब पानी की समस्या दूर हुई है मैं बच्चों को समय पर स्कूल भेज पा रही हूं इसके लिए मैं जल निगम का धन्यवाद करती हूँ।

हर घर जल
जल जीवन मिशन

“हर घर नल जल ने लिखी सकारात्मक परिवर्तन की कहानी, सबके जीवन में आई खुशहाली”

नाम :- गीता प्रजापति
ग्राम :- सिंहपुर
जिला :- सीहोर

सीहोर ज़िले के ग्राम सिंहपुर निवासी गीता प्रजापति कहती हैं कि 'जल जीवन मिशन' से मेरे जीवन में खुशहाली आई है। पानी के लिए पहले हमें मीलों दूर जाना पड़ता था। जिससे हमारा काफी समय बर्बाद होता था और हमारे बच्चें समय पर स्कूल नहीं पहुंच पाते थे क्योंकि हमारा सारा समय तो पानी ढोने में निकल जाता था। इस वजह से न हम समय पर खाना बना पाते थे न घर के कामों को समय पर कर पाते थे लेकिन जब से हमारे गांव सिंहपुर में मरदानपुर ग्रामीण समूह जल प्रदाय योजना आई है उसके बाद से ही पानी की परेशानियां भी खत्म हो गई है। अब हमारे बच्चे समय पर स्कूल जा पा रहे हैं इसके लिए मैं मध्यप्रदेश जल निगम का धन्यवाद करती हूँ।

हर घर जल
जल जीवन मिशन

"ग्रामीण क्षेत्रों में जल जीवन मिशन से, महिलाओं को मिला सशक्तिकरण का वरदान"

नाम :- श्रीमती शीला
ग्राम :- सिंहपुर
जिला :- सीहोर

सीहोर ज़िले के अतंर्गत ग्राम सिंहपुर निवासी श्रीमती शीला कहती हैं कि जल जीवन मिशन से ग्रामीण महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव हुए हैं। महिलाएं पहले अपना बहुमूल्य समय पेयजल के लिए लंबी-लंबी कतारों में लग कर व्यर्थ कर देती थी जिससे वह न तो खुद को समय दें पाती थी और न परिवार को लेकिन हर घर नल जल के आने से पेयजल की समस्या तो दूर हुई है, महिलाओं को भी अब खुद के लिए समय मिल पा रहा है और इस योजना से महिलाओं के लिए रोजगार के अवसर भी खुले हैं। हर घर नल जल ने मुझे जल सखी की नई पहचान दी है। जल सखी बनने पर होने वाली आय से अब मैं सकुशल अपना घर खर्च चला पाती हूं। इसके लिए मैं मध्यप्रदेश जल निगम का धन्यवाद करती हूँ।

हर घर जल
जल जीवन मिशन

“जल जीवन मिशन ने, मेरे जीवन में लाई खुशहाली”

नाम :- श्रीमती मंजू जैन
ग्राम :- सिनावल
जिला :- दतिया

दतिया ज़िले के ग्राम सिनावल निवासी श्रीमती मंजू जैन ने अवगत कराया कि पहले जब हमारे गांव में नल-जल योजना नहीं थी तब गाँव में पीने के पानी की व्यवस्था को लेकर बहुत ही कठिनाई होती थी। इसके अलावा पानी के हैण्डपम्प,कुंओं और खेतों के बोरिंग के आसपास जल प्रदूषित हो जाने से बीमारियों से भी सामना करना पड़ता था। जिससे आर्थिक हानि के साथ बीमार होने से मजदूरी से भी हाथ धोना पड़ता था। लेकिन जब से मध्यप्रदेश जल निगम द्वारा बड़ौनकलां ग्रामीण समूह जल प्रदाय योजना हमारे गाँव में आई है,तब से घर पर ही नल के माध्यम से शुद्ध जल मिलने लगा है। शुद्ध पानी का उपयोग करने से परिवार जनों के स्वास्थ्य में भी सुधार हुआ है। अब मेरे परिवार के साथ गांव वालों का भी पानी भरने में लगने वाला समय बचने लगा है। परिवार में खुशहाली लाने के लिए मैं मध्यप्रदेश जल निगम का धन्यवाद करती हूँ।

केआरसी प्रशिक्षण के माध्यम से

ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति एवं महिला स्वं सहायता समूह
के प्रयासों से ग्रामों में आये बदलावों की

कहानियां

अब ग्रामों में सच हुआ हर घर में नल और जल का सपना

धरोला में जल समिति ने संभाली जल जीवन मिशन की कमान

ग्राम- धरोला
ज़िला- आगर मालवा

आगर ज़िले के ग्राम धरोला ब्लाक नलखेड़ा में पेयजल एक प्रमुख समस्या होने से शासन द्वारा जल जीवन मिशन के अन्तर्गत हर घर जल योजना का क्रियान्वयन किया गया है. गांव में बरसों से पेयजल समस्या बनी हुई थी. लोगों को पीने का पानी लाने के लिए 2-3 किलोमीटर भटकना पड़ता था. उनका इस काम में काफी समय भी खराब होता था. गर्मियों के मौसम में तो जल संकट के कारण लोगों के बीच पानी को लेकर झगड़े भी हो जाया करते थे. जल जीवन मिशन आने के बाद तो जैसे यहाँ का दृश्य ही बदल गया है. अब किसी को पानी के लिए भटकना नहीं पड़ता बल्कि घर में ही नल से जल मिल जा रहा है. जिस काम में पहले आधा-आधा दिन खर्च होता था फिर भी पर्याप्त पानी नहीं मिल पाता था. अब महज आधे घंटे नल चलता है और उसी से जल की आपूर्ति हो जाती है. जल जीवन मिशन अंतर्गत यहाँ रेट्रो फिटिंग के तहत टंकी बनाकर गाँव को जल प्रदाय किया जा रहा है.

गाँव के ही श्री बालचंद्र बामनिया जी एवं उनके साथियों ने प्रशिक्षण उपरान्त समिति की बैठक की और लोगों को मासिक जल कर देने के लिए भी प्रेरित किया. श्री बालचंद्र बामनिया और उनके साथी प्रतिदिन 10 से 20 घर जाकर जल-कर एकत्रित करते हैं. जो नहीं दे रहे हैं उन्हें समझाइश देते हैं. समझाइश के बाद भी जो जल-कर नही देते उन्हें ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति की बैठक करके पंचायत की और से सूचनार्थ नोटिस भी दिया जाता है. इन प्रयासों का सार्थक परिणाम देखने को मिल रहा है. ग्राम धरोला में जल जीवन मिशन के माध्यम से हर घर में नल से जल नियमित,पर्याप्त और स्वच्छ जल मिल रहा है,जिससे ग्राम वासियों के रहन-सहन तथा आर्थिक और सामाजिक स्थिति और भी बेहतर हो रही है।

हर घर जल
जल जीवन मिशन

स्वच्छ जल के लिए एकजुट होना: गोहाटा की सामूहिक उपलब्धि

ग्राम पंचायत - गोहाटा
ज़िला- श्योपुर

जनवरी 2023 में, अखिल भारतीय स्थानीय स्वशासन संस्थान भोपाल ने श्योपुर ज़िले में एक परिवर्तनकारी कौशल-उन्मुख प्रशिक्षण और क्षमता-निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस प्रशिक्षण में ग्राम जल और स्वच्छता समिति (वीडब्ल्यूएससी) के सदस्यों, पंचायती राज संस्थानों (पीआरआइ) के सदस्यों, फ्रंटलाइन कार्यकर्ताओं और सेवा प्रदाताओं सहित विभिन्न हितधारकों को एक साथ लाकर, सभी एक सामान्य लक्ष्य की दिशा में मिलकर काम कर रहे हैं विजयपुर ब्लॉक की कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद, प्रशिक्षण ने सफलतापूर्वक गोहाटा पंचायत जैसे दूरदराज के गांवों तक अपनी पहुंच बढ़ा दी, जिससे गोहाटा पंचायत के 1876 निवासियों के जीवन पर गहरा और स्थायी प्रभाव पड़ा।

गाँव की सफलता की कहानी इसके समुदाय की मजबूत भावना और इसके निवासियों की उत्साही भागीदारी में निहित है। प्रशिक्षण के दौरान प्रमुख खुलासों में से एक सारगधना में महिला स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) का उल्लेखनीय योगदान था।

इन समूहों ने VWSC में एक अभिन्न भूमिका निभाई, जिससे प्रभावी निगरानी और उपयोगकर्ता शुल्क का संग्रह सुनिश्चित हुआ। जल प्रबंधन के प्रति उनका समर्पण और प्रतिबद्धता गांव की सफलता की कहानी में सहायक हैं। अतीत में, गाँव को पानी की कमी और सूखे की स्थिति का सामना करना पड़ा, लेकिन पीएचई विभाग की सक्रिय भागीदारी से उन कठिनाइयों पर काबू पा लिया गया। 26 जुलाई 2023 तक 1540 नल कनेक्शन के साथ, गोहटा पंचायत में जल प्रबंधन में प्रभावशाली प्रगति का प्रदर्शन किया।

हर घर जल
जल जीवन मिशन

बाई पास सफलता की कहानी पीपलखेड़ा (जिला भोपाल)

ग्राम- पीपलखेड़ा
ज़िला- भोपाल

ग्राम पीपलखेड़ा जिला मुख्यालय भोपाल से लगभग 30 किलोमीटर दूर स्थित है। 1405 की कुल आबादी वाले गांव में लगभग 300 घर हैं। गाँव में बुनियादी सुविधाओं जैसे माध्यमिक विद्यालय, ग्राम पंचायत कार्यालय परिसर, आंगनवाड़ी केंद्र भवन और सामुदायिक भवन का निर्माण किया गया है। कृषि गांव के अधिकांश परिवारों के लिए आजीविका का प्रमुख स्रोत है। इसके अलावा कुछ परिवारों के लिए पशुपालन और मजदूरी भी आजीविका का स्रोत है। गाँव में भूजल उपलब्धता नलकूपों में 300 से 400 फीट है। गर्मी के मौसम में भूजल स्तर काफी नीचे चला जाता है, जिससे ग्रामीणों को पेजयल की तकलीफ होती है। वर्ष 2021-22 के दौरान जल जीवन मिशन के तहत गांव में पेयजल आपूर्ति (ओवरहेड वॉटर स्टोरेज टैंक, वितरण नेटवर्क के साथ पंपहाउस) के लिए बुनियादी ढांचे का निर्माण किया गया और 210 परिवारों को उनकी मांग के बाद एफएचटीसी प्रदान किया गया।

दिसंबर 2022 में जल जीवन मिशन के अंतर्गत प्रमुख संसाधन केंद्र (केआरसी), बाईपास संस्थान ने बैरसिया में तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया । ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति अध्यक्ष/सरपंच विनय सिंह ने पांच अन्य प्रतिभागियों (पंप ऑपरेटर, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, टैक्स सखी, ग्राम जल और स्वच्छता समिति सदस्य आदि) के साथ प्रशिक्षण कार्यक्रम में पीपलखेड़ा का प्रतिनिधित्व किया। प्रतिभागियों ने कहा- "जेजेएम न केवल घरेलू नल कनेक्शन प्रदान करने का एक मिशन है, बल्कि सतत् और सुरक्षित पेयजल उपलब्धता के माध्यम से गांव के एकीकृत विकास पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

जल जीवन मिशन से सशक्त होता समुदाय (ग्राम पंचायत सिन्दुरिया)

ग्राम- सिन्दुरिया
ज़िला- धार (म.प्र.)

सिन्दुरिया ग्राम पंचायत जिला मुख्यालय धार से 75 किलोमीटर पर स्थित हैं, जल उपलब्धता की समस्या एवं शुद्ध पेयजल की कमी | जल जीवन मिशन अंतर्गत सिन्दुरिया ग्राम पंचायत के सदस्यों को 4 दिवसीय (केआरसी-स्तर-3) सघन प्रशिक्षण कार्ड संस्था द्वारा प्रदान किया गया | जल जीवन मिशन को सफल बनाने में जल एवं स्वच्छता समिति के सदस्य श्री गोपाल सिंह के द्वारा समर्पित सदस्य सक्रिय रूप में अहम भूमिका निभा रहे हैं | केआरसी प्रशिक्षण पश्चात गोपाल सिंह जी की जल वितरण व्यवस्था पर गहरी समझ विकसित हुई एवं उनके द्वारा प्रत्येक घर को उचित मात्र में जल प्रदाय हो सके इसकी कार्ययोजना बनाकर कार्य किया जा रहा हैं | उनके द्वारा वार्डवार कनेक्शन कि संख्या के आधार पर समय तय किया गया साथ ही जल के व्यर्थ होने को रोके जाने हेतु भी प्रयास किया जा रहा हैं |

गोपाल सिंह सक्रिय रूप से सामुदायिक बैठक एवं ग्राम सभा बैठकों में उपस्थित होकर नियमित जल प्रदाय की जानकारी प्राप्त करते रहते हैं | ग्राम पंचायत एवं गोपाल सिंह के सपर्पण से ग्राम का प्रत्येक परिवार नियमित पेयजल प्राप्त कर रहा हैं | समुदाय में जल संशाधनों के प्रति स्वामित्व का भाव विकसित होने एवं सक्रिय भागीदारी से ग्राम संवहनीय विकास की ओर अग्रसर है | ग्राम पंचायत सिन्दुरिया की कहानी अन्य ग्रामों के लिए जल संशाधनों के प्रबंधन का कार्य करने की दिशा में प्रेरणा का स्रोत बनेगी |

हर घर जल
जल जीवन मिशन

ग्राम धुलेट में सभी घरों के नलों में है टोटी

ग्राम- धुलेट
ज़िला- इंदौर

मिशन लाइफ और जल संकट

मिशन लाइफ में पानी बचाने पर बहुत बड़ा फोकस किया गया हैं दुनिया में जल संकट एक बड़े खतरे के रूप में देखा जा रहा है कहा जा रहा है कि दुनिया में अगली लड़ाई तेल के लिए नहीं बल्कि पानी के लिए हो सकती है भू जल स्तर लगातार गिरता जा रहा है जब स्थिति इतनी गंभीर हो,तो उससे बचने का उपाय क्यों नहीं किया जाना चाहिए, यह काम इतना भी बड़ा नहीं क्योंकि पानी बचाकर उसकी उपलब्धता बढ़ाई जा सकती है इसके लिए यह जरूरी है कि नल से पानी की बर्बादी को रोके|

छोटे प्रयास से बड़े काम

केआरसी के रूप में चयनित समर्थन संस्था द्वारा जल समिति के सदस्यों के साथ प्रशिक्षण उपरांत ग्राम में बैठक की गयी जिसमें समर्थन द्वारा समुदाय के साथ किये गए ग्राम भ्रमण एवं सर्वे के बारे में जानकारी दी गयी | किस तरह से 30 से ज्यादा घर के नलो में टोटिया न लगने से पानी बह रहा हैं जिसमें एक दिन में गाँव में 6240 लीटर पानी बह जाता हैं|

परिणाम

जल समिति एवं समुदाय के संयुक्त प्रयास से 30 परिवार जिनके नलो में टोटिया नहीं लगी थी,वहां टोटीया लगा दी गयी जिससे हजारों लीटर पानी की बर्बादी रुक गयी है और आज ग्राम की जल दुरूपयोग की समस्या, मोहल्ले में कीचड़ की समस्या एवं सड़कों के ख़राब होने की समस्या भी समाप्त हो गयी हैं |

हर घर जल
जल जीवन मिशन

बुधवार पंचायत में पेयजल से समुदाय को सशक्त बनाता -जल जीवन मिशन

ग्राम पंचायत - बुधवार
ज़िला- नरसिंहपुर

नरसिंहपुर जिले के करेली विकासखण्ड की पंचायत बुधवार में लगभग 400 घरों की प्यास बुझाने के लिए विभिन्न योजनाओं के तहत अलग-अलग समय पर 04 सरकारी कुएँ और 12 हैण्डपम्प खोदे गए थे। पिछले कुछ वर्षों में जमीनी पानी का स्तर 20 फीट से घटकर 100 फीट हो गया था, जिससे अधिकांश उथले हैंडपंप और कुएं सूख गए थे। लेकिन हैंडपंपों की संख्या और खराब वितरण समुदाय की पानी की जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं थे, जिसके परिणामस्वरूप लंबी कतारें और लंबे समय तक इंतजार करना पड़ा।

समूह की सक्रिय सदस्य सुकुन पटेल ने बहुत खुशी से बताया कि "अब लोगों को साहूकारों से ऋण लेने की ज़रूरत नहीं है क्योंकि वे बीमार नहीं पड़ते हैं"। केआरसी- एकेडमी फॉर कम्युनिटी एम्पावरमेंट (एसीई) द्वारा आयोजित करेली में प्रमुख हितधारकों के तीन दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में पंचायत सचिव, स्वम सहायता समूह के 2 सदस्य, पंप ऑपरेटर और ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति के 2 सदस्यों ने भाग लिया। प्रतिभागियों को जल जीवन मिशन अंतर्गत स्रोत और प्रणाली स्थिरता, ग्रे जल प्रबंधन, जल संरक्षण, संचालन और प्रबंधन और सामुदायिक भागीदारी और प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं पर ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति की बैठक विस्तार से समझाया गया।

हर घर जल
जल जीवन मिशन

गोगाखेडी कर रही हैं आत्म निर्भर रूप से नल जल योजना का संचालन

ग्राम- -गोगाखेडी
ज़िला- इंदौर

ग्राम पंचायत गोगाखेडी कर रही हैं आत्म निर्भर रूप से नल जल योजना का संचालन ग्राम गोगाखेडी जिला इंदौर के ब्लाक इंदौर अंतर्गत नेमावर रोड पर स्थित है यह गाँव जिला मुख्यालय से 27 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। ग्राम में 2 प्रमुख सरकारी तालाब है।

ग्राम गोगाखेडी की आबादी 517 है एवं कुल 105 परिवार है | जल जीवन मिशन के अंतर्गत नल जल योजना के 115 कनेक्शन है | ग्राम की नल जल योजना की कुल लागत 42.63 लाख है |

ग्राम के प्रतिनिधियों ने केआरसी प्रशिक्षण के दौरान ही ग्राम की नल जल योजना का उल्लेख किया, नल जल योजना के कार्य पूर्ण होने के बावजूद भी ग्राम में कई समस्याएं आई ,जिसका ग्राम पंचायत गोगाखेडी ने स्वयं ही समाधान किया एवं सफलता पूर्वक नल जल योजना का संचालन कर रही हैं।

संस्था समर्थन जो कि इंदौर जिले के लिए लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा चुना गया KRC संस्थान है। प्रथम डेमो ट्रेनिंग में 8 ग्रामों को जल जीवन मिशन पर समुदाय स्तरीय प्रशिक्षण का आयोजन दिनांक 06-08 सितम्बर 2022 के बीच किया गया ,जिसमें ग्राम गोगाखेडी के प्रतिनिधियों (सरपंच,उपसरपंच,पंच,जल समिति सदस्य,स्वं सहायता समूह की सदस्य,पंप ऑपरेटर) ने भी प्रशिक्षण प्राप्त किया।

हर घर जल
जल जीवन मिशन

नई चेतना से बदल रहा हैं डोके गाँव

ग्राम- डोके
ज़िला- बालाघाट

जिला मुख्यालय बालाघाट से 30 किमी. की दूरी पर स्थित हैं ग्राम डोके | गांव में 320 घर हैं , जिसमें से 280 घरों में नल कनेक्शन हैं एवं 40 व्यक्तियों के पास खुद के बोरवेल हैं | मुख्य संशाधन केंद्र (केआरसी) एक्शन फॉर कम्युनिटी एम्पावरमेंट (एसीई) द्वारा प्रथम डेमो प्रशिक्षण का आयोजन बालाघाट जिले में वारासिवनी विकास खंड के ग्रामीणों के लिए आयोजित किया गया | जिसमें ग्राम डोके ,ग्राम पंचायत डोके के सदस्य मन में संकोच और दिमाग में बहुत सारे प्रश्न लेकर 10 चुनिन्दा लोगों ने अपने सरपंच के साथ 30 जुलाई से 1 अगस्त 2022 के मध्य आयोजित जल जीवन मिशन के 3 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण में भाग लेने के लिए बालाघाट में आये। | प्रशिक्षणार्थियों को समझ आया कि जलापूर्ति योजना को सतत् बनाये रखने के लिए ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति ही 'रीढ़ की हड्डी' है | प्रशिक्षण लेकर गाँव लौटने के पश्चात सर्वप्रथम ग्राम के सरपंच ने सभी पंचो के साथ बैठक की और ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति का पुनर्गठन कर 50 प्रतिशत भागीदारी महिलाओं पंचोको को भी जोड़ा। गाँव का बेकार पानी परेशानी का कारण नहीं बल्कि

गाँव की धरती में ही समा रहा हैं एवं भूजल भरण का काम हो रहा हैं | ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति, स्व सहायता समूह के सदस्य एवं सक्रिय ग्रामीणों द्वारा समय समय पर जागरुकता कार्यक्रम भी किये जाते हैं |

हर घर जल
जल जीवन मिशन

नयापूरा सोडरपुर में जल समिति ने संभाली जल जीवन मिशन की कमान

ग्राम- नयापूरा सोडरपुर
ज़िला- रायसेन

260 परिवारों की आबादी वाला ग्राम नयापूरा सोडरपुर भले ही आकार में छोटा लगे लेकिन यहाँ के निवासी बड़े होसले एवं हिम्मत वाले हैं| वर्ष 2022-23 में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा जल जीवन मिशन के अंतर्गत गाँव में टंकी का निर्माण एवं जल वितरण योजना का कार्य पूर्ण कर योजना ग्राम पंचायत को हस्तांतरित की गई |

राष्ट्रीय जल जीवन मिशन के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा सूचीबद्ध केआरसी(लेवल-3) बायपास संस्थान द्वारा जनवरी 2023 में ओबेदुल्लागंज विकासखंड स्तर पर 3 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया | इस प्रशिक्षण में ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति के प्रतिनिधियों के रूप में सरपंच, सचिव , पंप संचालक एवं महिला स्व सहायता समूह सदस्यों द्वारा सहभागिता की गई| प्रशिक्षणार्थियों ने प्रशिक्षण से प्राप्त अनुभवों को ग्रामवासियों के साथ साँझा किया जिसके बाद सभी ने स्वीकार किया कि नल जल योजना के संचालन एवं रखरखाव की जिम्मेदारी सभी ग्रामीणों की है | ग्रीष्मकाल में नवीन नलकूप में पानी कम होने पर समिति ने इस विषय पर विचार किया और पुराने नलकूप का इस्तेमाल भी टंकी भरने में करने का निर्णय लिया |

पानी की टंकी को संतोष भरी निगाहों से देखते हुए उत्साह एवं गर्व से भरे गयासुद्दीन कहते हैं कि हमने वो दौर भी देखा हैं जब गाँव में महिलाये चाहे वह बीमार हो,गर्भवती हो या बुजुर्ग हो सिर पर पानी के वर्तन रखकर हर मौसम में दूर दूर से पानी भरकर लाया करती थी |
आज जो तस्वीर बदली हैं उसके लिए हम जल जीवन मिशन के शुक्रगुजार हैं, जिसने हमारी माँ, बहन बेटियों को इस कष्ट से छुटकारा दिलवाया हैं|

हर घर जल
जल जीवन मिशन

बैजलपुर – ग्रामीणों के सहयोग से सच होता "हर घर जल" का सपना

ग्राम- बैजलपुर
ज़िला- रायसेन

ग्राम बैजलपुर, ग्राम पंचायत नयापुरा सोडरपुर में सम्मिलित एक ग्राम है जो रायसेन जिले के ओबेदुल्लागंज विकासखंड में स्थित है। ग्राम में 92 परिवार निवास करते हैं। गाँव के समीप एक तालाब निर्मित है। जल जीवन मिशन अंतर्गत वर्ष 2022-23 में बैजलपुर में हर घर जल पहुचाने हेतु तालाब के पास ही नलकूप खनन किया गया एवं जल वितरण अवसंरचना स्थापित की गयी। गाँव में 65 परिवारों द्वारा नल कनेक्शन लिए गए।

राष्ट्रीय जल जीवन मिशन, भारत सरकार द्वारा सूचीबद्ध "केआरसी" (KRC) बायपास संस्थान, भोपाल द्वारा मार्च 2023 में ओबेदुल्लागंज विकासखंड स्तर पर 3 दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण में ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति के प्रतिनिधि के रूप में सरपंच, सचिव, पंप संचालक, आगनबाड़ी कार्यकर्त्ता एवं महिला स्व सहायता समूह कि महिला सदस्यों की सहभागिता रही।

तय किया कि वे व्यक्तिगत/मोहल्ला बैठकें आयोजित करके नियमित जलकर राशि जमा करने हेतु सभी नल कनेक्शन धारक परिवारों को प्रेरित करेंगे। घर से निकलने वाले गंदे जल के उचित प्रबंधन के लिए परिवारों को गृह वाटिका के विकास और सोख्ता गड्ढे बनाने के बारें में समझाया जाएगा। पंप ऑपरेटर,स्व सहायता समूह की महिला सदस्यों एवं अन्य सक्रिय ग्रामीण हितधारकों के सामूहिक प्रयास से ग्राम बैजलपुर का हर घर जल का सपना साकार हो रहा है।

मिशन की प्रमुख उपलधियों की झलकियां

भारत के पहले प्रमाणित "हर घर जल"
जिले को राष्ट्रपति पुरस्कार

लोक प्रशासन में उत्कृष्टता के
लिए प्रधानमंत्री पुरस्कार

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह,
नई दिल्ली

श्रीमती अनिता चौधरी,
जिला छिंदवाड़ा,
मध्य प्रदेश
को
जल जीवन मिशन के तहत जल
योद्धा की श्रेणी में भारत की
माननीय राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित
किया गया है

हर घर जल
जल जीवन मिशन

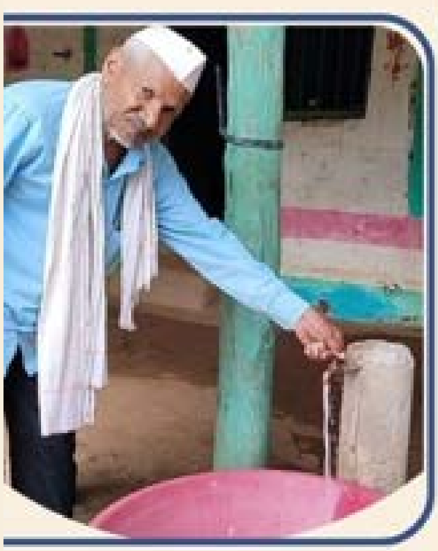

हर घर जल
जल जीवन मिशन

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग,मध्य प्रदेश जल निगम
मध्य प्रदेश शासन

@mpphed @minphemp mpphed mp.phed mpphed mpphed.gov.in

mpjalnigam mpjalnigam @mpjalnigam mpjalnigam mpjalnigam.mp.gov.in